Reg. No. | | | | | | | | | |

BASSKCN 202

II Semester B.A. Degree Examination, September 2022
SANSKRIT (DSCC)
C4 – Natakam (2021 – 22 Batch Onwards) (NEP-2020)

Time : 2 Hours Max. Marks : 60

सूचना : *चतुर्थ-षष्ठप्रश्नयो: **संस्कृत**भाषया एव उत्तरयत। अन्यत्र **कर्णाटक**भाषया **आङ्ग्ल**भाषया **संस्कृत**भाषया वा उत्तरयत।*

I. **द्वौ** अनुवादं कृत्वा विवृणुत। **(2×5=10)**

1) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासीत्
श्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तु:।
कालक्रमेण जगत: परिवर्तमाना
चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्ति:।।

2) ऋज्वायतां च विरलां च नतोन्नतां च
सप्तर्षिवंशकुटिलां च निवर्तनेषु।
निर्मुच्यमानभुजगोदरनिर्मलस्य
सीमामिवाम्बरतलस्य विभज्यमानाम्।।

3) रूपश्रिया समुदितां गुणतश्च युक्तां
लब्ध्वा प्रियां मम तु मन्द इवाद्य शोक:।
पूर्वाभिघातसरुजोऽप्यनुभूतदु:ख:
पद्मावतीमपि तथैव समर्थयामि।।

II. **पञ्च** वाक्यानि सन्दर्भसहितं व्याख्यात। **(5×3=15)**

1) भुक्तोऽज्झित एव विषयोऽत्र भवत्या।
2) भर्तृदाराभिलषित्वात् अस्यां मे महती स्वता।
3) सर्वजनसाधारणमाश्रमपदं नाम।
4) तस्मिन्सर्वमधीनं हि यत्राधीनो नराधिप:।
5) आर्यपुत्रपक्षपातेन अतिक्रान्त: समुदाचार:।
6) अयुक्तं परपुरुषसङ्कीर्तनं श्रोतुम्।
7) आर्ये। न जानामि, आर्यपुत्रेण विरहितोत्कण्ठिता भवामि।

P.T.O.

III. **द्वौ** प्रश्नौ प्रबन्धरूपेण उत्तरं लिखत। **(2×8=16)**

1) संस्कृतनाटकानाम् उगम – विकासादीन् उद्धिश्य प्रबन्धं रचयत।

2) महाकविभास: – प्रबन्धं रचयत।

3) स्वप्नवासवदत्तम् – कथासारं लिखत।

4) वासवदत्ता – अस्य पात्रस्य स्वभावं शीलं च विश्लेषयत।

IV. **द्वौ संस्कृतेन** टिप्पणीं लिखत। **(2×3=6)**

1) भासरूपकाणि।

2) उदयन:।

3) विदूषक:।

4) स्थापना।

V. **द्वौ कन्नड**भाषया टिप्पणीं रचयत। **(2×4=8)**

1) यौगन्धरायण:।

2) नान्दीश्लोक:।

3) प्रस्तावना।

4) काञ्चुकीय:।

VI. **अधोदत्तेषु** यथारुचि **पञ्च** संयोजयत। **(5×1=5)**

अ		**आ**
1) वत्सराज:	–	बलराम:।
2) ब्रह्मचारी	–	ऋग्वेद:।
3) स्वप्नवासवदत्तस्य अङ्कसंख्या	–	उदयन:।
4) उपरूपकाणां विभाग:।	–	अथर्वणवेद:।
5) ऊरुभङ्ग:।	–	अष्टादश।
6) नाट्यशास्त्रस्य रस:	–	लावाणकस्य ग्रामनिवासी
7) स्वप्नवासवदत्तनाटकस्य नान्दीश्लोके संस्तुतदेवता।	–	महाभारतम्।
	–	षट्।